

Short Title **BHAI RAVA-PRATIṢṬHĀ-VIDHĪ**

NEPAL-GERMAN MANUSCRIPT PRESERVATION PROJECT

Place of Deposit: **RĪMA KARMĀCĀRYA** Private: **KIMTINDEH NĀLA**

Manuscript No.

रिव **TANRA**

Running No. **I.383**

TITLE (acc. to Colophon/Catalogue):

**ADAU** 1. **ATHA BHAI RAVA-PRATIṢṬHĀ-**  
**VIDHĪ [sic]**

**ANTE** 2. **ĪTĪ 'SĀ BHAI RAVA PRATIṢṬĀ**  
**VIDHĪ SAMPŪRNĀNĀM [sic]**

AUTHOR:

No. of leaves: **19** Compl. Size in cm: **24.9 x 8.2**

Reel No. **I. 23**

Date of filming: **30.8.79** Script: **Devanagari-Newari-Tibetan-Murthuli**

Remarks: paper - ~~Thyrsophy~~ palm leaf, damaged by worms-rats-water-smoke-breaking

Colour slide: No.

**SCRIBED: JAYATARĀJA**

Date: **NS, VS, Shaka-**

**854**

७१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्प्रतिष्ठाविधिः ॥ दिनयज्ञानमूयाय ॥ कथं  
 कृजयमानं आचार्यं ॥ लूसियाय ॥ नयाय ॥ नित्यकर्मयाय ॥ अदि  
 लिदयकलेसा ॥ थदिलिवाय ॥ यल्लमानाप्रकलसवाय ॥ विवकनमदयक  
 वनकरुकयाय ॥ सकिनित्यकर्मयाय ॥ नेजल्लमानाप्रकलसवाय ॥ अदि  
 या ॥ आचार्यं वायक ॥ जयमानं एषा शाजने ॥ आचार्यं नयाय ॥ क  
 लयावुमूर्षयाय ॥ आचार्यं वायक ॥ अथ भगवत्प्रतिष्ठाविधिः ॥

७१



बाप॥ पर्व नदि नय विमर्शनात्वादि॥ वलिवि सक्तं न॥ यत्न सा ला य आ क  
 सवलि क्त य॥ न ता क्त न तव प्र सा ध न॥ कृष्ण कृष्णि हा का का या व ह्ना न तव प्र द य क  
 कृष्ण प ३२॥ स धू या व द य क॥ ए ज न॥ जू धा ना मु न म जू न ज प ल य भा न २॥ जू  
 धा ना मु न॥ ख उं (ग न स य क्त नू॥ जा या॥ जू धा ना मु न॥ वि ह्ना न तव प्र सा ध न॥ ख ३  
 व ला हा न त तव कृ क्त का व न य॥ न ता क्त मि सा ध न या य॥ रु मि स य जा॥ उं न त व वा  
 स वि य न य व क्त (७२॥ उ व पा ७ न स ता द न्या य॥ जू क्त म ल न॥ कृष्ण द क न जू

न हा य॥ अ र्थ या वा द क न ग य पि न हा य॥ य ना वा स न म लु ल ३ वा य॥ द थू स लु हि न  
 य॥ ए जा॥ उं स वी त्रि वि ना श य व क्त (७॥ द कि न स हि वि ए जा॥ उं श कि का अ मु म  
 रु य २॥ उं ल स ना य ए जा॥ उं य कि का य ल कि मू रु य २॥ वि हि जू न य जा॥  
 ला वा ए जा॥ उं शो क्त ल मू रु य २॥ नु रु य जा॥ उं का व क्त (७॥ ॥ यत्न सा ला  
 स हा ल॥ जू म ल न॥ शी ख लु प्र का य का वि द्वा य वा क मा स न स्म गु ल मा जू  
 क व क्त जू न य ल या व यत्न सा ला स हा ल॥ ॥ जू म ल न प क्त ग य त हा





मया यः ॥ २ ॥ सूर्यया यः ॥ दूर्वाया यः ॥ २ ॥ नक्षत्रे शोपके शुभा यः ॥ २ ॥ यस्त्रया यः ॥ पूरु  
 दयः ॥ १ ॥ अजायः ॥ २ ॥ वज्रया यः ॥ पनाकायः ॥ ३ ॥ लौली लौली दायः ॥ २ ॥ चन्द्रनादिदि ॥ वलि  
 दुरुक कृपा लाय वलि गृह ॥ २ ॥ साहा ॥ जाय ॥ दाल कृपा ॥ ३ ॥ महाविद्या प्रहाका  
 यः ॥ दय किमहागाली ॥ विद्यायः ॥ नाभादि ॥ सुवीदवनमस्तु न ॥ यस्तु विटय ॥ ३  
 नामय ॥ दूर्वा दाल कृपा नव ॥ अगच्छ नगव न ॥ २ ॥ कुलतया गपवर्तन ॥ ग  
 दानार्थ वलियः ॥ नकाय मधुयस्तु ॥ यविक ॥ ३ ॥ अयके यस्तु नवलेकनि

यः सुवीदयदुक् विमियादि वयः ॥ दानादिदवस्तु न ॥ २ ॥ सुर्वनका कृपा ॥ ३ ॥ अस्त्रदिनयः  
 ॥ ३ ॥ सुर्वदा नाच नविमि ॥ नभा विवर्तकि तुम न ॥ अयमानि नलकि कलस ॥ अयमान न  
 भिव कलस जातक ॥ अचा कृ न अर्यया तु नख न दायक वाक ॥ ३ ॥ साहा लाकया लस्यो यस्तु  
 सन कृ नाथय ॥ विद्या ती ॥ अस्ताय च यय सवा दना कृ की सुविमि कृपा वाक्या ॥ ३ ॥ सुर्व  
 सन न सवि वलकि सुम ॥ कलस दलका वनय ॥ लख साय ॥ नभा विवर्तकि थिल स नष्ट जा  
 याय ॥ न्यासादि अस्तु दजा ॥ अभाज कृपादि ॥ वभा साय ॥ हि दसाय ॥ अभादि ॥ ३ ॥ अस्तु









अनकायनम॥ बलि॥ ठाप॥ सुति॥ ॐ नमः नयनिष्ठे वव ऊँ हस्त म हावल॥ स नय  
 आविषादव न ॐ न्याय न नम॥ ॐ निकल्ले च त विभि॥ ॥ अथ मनेक ल स प जा॥  
 ना स॥ ॐ न॥ प्रक व क म हा का य पी न व ॐ म हा मू कि॥ ग ज व कु म हा वि ना ॐ न्या द  
 व ग आविषा॥ ॐ नमो मी र्त ग न य न य ॥ च न न य न य वि प ॐ न्या दी य व लि ने च द  
 जा य॥ सु ति॥ ग ज व का म हा वी न म न भा उ क पा भि त॥ ति वि वि नि च न गी म हा य  
 न म सु न॥ ॐ नि ग न स क ल स प जा वि भि॥ ॥ अथ मु नू क ल स प जा॥ ना स॥ ॐ ना कू क

म व र्त्त स र्त्त म म मा ला सु प रु का॥ ॐ न त दि ग र्त्त य मु नू मू कि ॐ न्या य न॥ ॐ मी र्त  
 मू मु नू मू कि य न म॥ च न न य न्या य वि ष ॐ न्या दी य व लि ने च द॥ जा य॥ सु त्र॥ द व  
 ना के सु वी ना ॐ न्या वि ता के न जा द य॥ मु नू मू कि न म रु रु स र्वे न्या सु वि न्या ल द॥ ॐ  
 ति प जा॥ ॥ अथ या मि क ल स प जा॥ ना स॥ ॐ न॥ ॐ न व ॐ न व ॐ म हा या जि न स र्वे व  
 कू न स मू न॥ ने स य द कि न न न या मि मू कि ॐ न्या य न॥ ॐ न्या र्त्त मी र्त मी र्त मी र्त मी र्त  
 न य न्या य वि ष ॐ न्या दी य व लि ने च द॥ जा य॥ सु ति॥ ॐ न॥ ॐ न्या र्त्त मी र्त मी र्त मी र्त मी र्त



कि०  
बदना॥ उभायासुदिमादव॥ जनयानिविज्ञायत्॥ यत्तु॥ उँदुँसमूमनिसमदनेनवा  
यउमाज्वनीन॥ सुदिमायद्यामएककलमयमकुँययाय॥ कुँडीप्रवसूमरा॥ उँडी  
वला॥ उँडीबाभा॥ उँडीरुनमन॥ कुँडीकपाय॥ उँडीविस्ममाय॥ कुँडीपनपुनामाय॥ १०  
उँडीमाकभुय॥ चदनादिभूपदीपवलिनेयद्य॥ बाया॥ सुवि॥ एवमवर्कसमासुच॥ उमो  
भायनमानम॥ सुस्तिस्तिनिस्त्रपाय॥ जलपानितमासुन॥ वाक्का॥ जूयग॥ अदि॥ वृत्ति  
यना॥ ॥ उपादिकलसए॥ उँडीउपादिकलसचूरुय॥ मागप॥ जनमाय॥ वि॥ कि

नमः॥ कौटुक॥ यन्म॥ मलयन्म॥ जखयाला॥ कलिक॥ ॐ हंजकायरा॥ ॐ हंजजकनोर॥  
 ॐ हंजसजियेरा॥ ॐ हंजकौलकौर॥ वन्दनीदिवलि॥ गमयलि॥ ॐ मयाजातायरा॥ वामदवा॥  
 प्रथान॥ नलनम॥ प्रथान॥ नमस्तुदिलयजा॥ भिवनाथनम्यास॥ प्रथयाजयजनी॥  
 श्रीय॥ लानयरा॥ वेनाल्लय॥ नृपथीय॥ प्रथमीय॥ प्रथानाय॥ प्रवेनाल्लय॥ प्रमेस्यी  
 प्रथानकयल्यदि॥ ॐ हंजलुल्लय॥ सुयो॥ प्रथि॥ मलयन्म॥ न॥ नीयाकलि॥ हृदः  
 यादि॥ प्रथ॥ ॐ हंजकलुल्लय॥

[illegible]

अक जी या जलि ॥ हृदय ॥ अवाक मूडा ॥ अयदी यजाय सुनि ॥ शुद्ध अक लादि ॥ अतिरु  
 दित्त यजा ॥ ॥ वनक सुसजीय ग ला ॥ शुक्ल शुवा (अवन) ॥ अमरुलि (अवन) ॥ अमरुन  
 याकन ॥ अमरुतयात ॥ अमरुन निलीकन ॥ अमरुन अत्यकन ॥ थन माउरी ॥ क वच त अ  
 वगु ० नी ॥ हृदय तजाक व नरुली सन ॥ थलददयन अल मरुत अमि स सु या ॥ मूल  
 मरुत हृदय तक वचन रुधु यजा ॥ शुवान यन सुय मयदी मरुत रुधु यजा ॥ अदी अदी अदी अदी  
 खा हा वा मरु ॥ थय यन वय मरुत ॥ ॥ अमरु वरुन क ॥ ० नी वउ





[illegible]

वमस्तु यो नञ्जस्य दालमिमांसाय कलि नर्त्तनाया वदकाया॥ अमिकशुष्वेष रुडयी ० म  
दवनयमूलन॥ कापालनययकवचन॥ र्विसूत्रकानवियकवचन॥ मूलनया सादिनिडा  
कलसयजा॥ मिहासन्तवादावनिडाकलस्यान आहृतिमूलन॥ ततदवः ॥ ५ ॥ नी॥ ज्ञा  
सनलाय स्यात्॥ २॥ आत्मनत्वाभिकयव प्रक्षेप स्यात्॥ आहृति त्याया॥ ऊँ जीविद्यान त्याय  
स्यात्॥ ऊँ जीविद्यान त्यायंति॥ ३॥ जिवनत्या॥ ४॥ ताभिकय॥  
५॥ निरुक्त्या॥ यथादवसा मूलमनुत्तमयतीत्यर्थवत्त्वने



या॥ यातिक ल्य ना॥ हृदय त आहृति॥ वीर्य य दान॥ मय जी न आहृति॥ न का क व च न आहृति॥  
 ग र्वा न आहृति॥ म र्वा न हृदय त म आहृति॥ य म व न नि न न आहृति॥ अ म लु  
 न य र्वा न आहृति॥ अ म क म क व च न आहृति॥ म य र्वा न ल वी द ह य॥ व र्वा न ल  
 मि र्वा न क न॥ व म लु न आहृति॥ य म म य म ल न आहृति॥ ३॥ ता डि छ ड त म ल न आ  
 हृति॥ म रि जा ग ल त व न आहृति॥ वि पा ल ह य म ना या न॥ स र्वा क ल न त ह म य जी  
 म॥ उ ह त॥ म ल न आहृति॥ स र्वा क ल न क म य जी न आहृति॥ नि क म न न व न आहृति॥ य

१५

ल ह य॥ ना म क ल न म लु न आहृति॥ थ ल स द व या ना म वा या व पा स न या च क॥ ना शि  
 च क॥ म ल न॥ र ल पा स न म लु न आहृति॥ म पि न म ति॥ म म पा स न त व न आहृति॥ च न  
 न॥ अ व म न म ल म नु न॥ व र्वा क ल म क व च न आहृति॥ ल ड ह ल ल॥ क र्वा न द ल वाः  
 न आहृति॥ ल ड ह म ल॥ वा क र्वा न ती म य॥ व र्वा व न म ल न म ल न आहृति॥ क र्वा वि  
 य॥ म य जी न आ ना वि र्वा  
 न थ र्वा न आहृति॥ वि वा हा॥ हृदय त आहृति॥ न त म लु न य द न क व च न॥ का र्वा न त ह य निः

लभन्ते॥ मृतिनी त्वायसिद्वानमकुत॥ अलहा सानमलद्वयमकुत॥ त्वदगाविय  
 कवभावनद्वयक॥ मृत्तयकलनविय॥ चतुर्थी॥ द्वयनमकुत॥ मृत्तिद्वयकिया॥ ॥  
 यथादवस्यमलनजहाम॥ तनादवस्यमीयगल्लन त्वन्यासकामयन॥ कृष्णन॥ अ  
 भान॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ (१२॥ लि०॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥  
 तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥  
 तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥  
 तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥ तुल्येयथीवीनत्वायरा॥

[illegible]

[illegible]

ल्यमासनकृत॥ ॐ ह्रीं पुनिस्रमासिययूनां अर्चयन्तु लभ्यन्ते ॥ सर्वपापविनिर्मुक्तना  
 स्रमाणां च वर्द्धत ॥ यत्पुत्रसर्वनित्यं सुखं च जेनवष्यत ॥ निर्विघ्नमीह कर्माणि नाज  
 नास्तु दुःखादयं ॥ यजमानादि सर्वेषु आनिर्यष्टिकेनाहुम ॥ यावद्वैद्यकासर्गमाभेदिति  
 सकलमना ॥ यावद्वैद्यास्यसूर्यस्य नावर्त्य च स्निहा नव ॥ ॥ नमो साक्षात्तदवाचनं ॥  
 न्याम ॥ जलपात्रं अर्घ्यपात्रयजा ॥ चतुर्हस्तं प्रत्युजो ॥ आवाहनं ॥ ॐ ह्रीं स्वच्छन्दमहान्  
 लवय आगच्छ ॥ ह्रम ॥ ॐ ह्रीं स्वच्छन्दमहान्

यथादकि॥ सुद्धाहिनीरुद्धं ज्ञानाय॥ यमगवयूजा॥ आभनसकयत्वादि॥ यमाभन  
 ॥ यमवर्कमहामर्जविधिवनयनाकली॥ गववाङ्महार्कचनानाप्रममम  
 ॥ नानारुलनमयकृत्वा ननयनमहिर्वा॥ उवाङ्मनदिवात्राईकममवली॥  
 ॥ दक्षकलालनोडचे॥ किचिदक्षयनकन॥ नीलाचलनिरुह्यमीनीलीजनसमयर्क॥ मनि  
 ॥ सयिधमाधयधिगकजसहीयन॥ विष्टलकरुनीरुद्धं नागनाजाकसर्क॥ दकि॥ वन  
 ॥ वनमंरुविनाङ्गजयायू॥ निम॥ कयालउमनू॥ कि॥ पाङ्गद्ववत्पिय॥ वाभनजयू

[illegible]

अक्षर ॥ २ ॥ चमिका अक्षर ॥ २ ॥ यत्तु नाहिका अक्षर ॥ २ ॥ उवाच अक्षर ॥ २ ॥ चक्रवातिका अक्षर ॥  
 उवाच सनिका अक्षर ॥ २ ॥ वनित्वादि व्यासक ॥ यष्टिमा ॥ उवाच सिद्धनाथ वासकलाये ॥ दक्षिण  
 २ ॥ अक्षर सिद्धनाथ वासकलाये ॥ यष्टिमा ॥ २ ॥ नागसिद्धनाथ अक्षर वासकलाये ॥ २ ॥ वायव्यः  
 २ ॥ अक्षर सिद्धनाथ निवृत्तिकलाये ॥ नेत्रमा ॥ २ ॥ सिद्धनाथ पति वासकलाये ॥ ज्ञानमा ॥ २ ॥  
 उवाच सिद्धनाथ विद्या कलाये ॥ २ ॥ अक्षर ॥ २ ॥ नागसिद्धनाथ साक्षिकलाये ॥ अक्षर ॥ २ ॥ आवाहना  
 दि ॥ विष्णु लक्ष्मी ॥ वलिमालका ॥ अक्षर ॥ २ ॥ यथायथा ॥ अक्षर ॥ २ ॥ यथायथा ॥ अक्षर ॥ २ ॥

निष्ठा॥ स न लूया॥ माद, न वा स्त्वन, अकृत, धन न लूया॥ य शुभ येन॥ मा सा ॥ नि वि वि (ध)  
य व ॥ ना॥ मा सा कृति य ॥ य ॥ म म य॥ अरु वी ही हा म अदि न से न वा म्ना या (ध) ॥  
न क॥ क ल ॥ रि ख क च न दि॥ क ल स ह्ना य॥ य म क ल स यी ० य न॥ अग्नि क ल स अग्नि याः  
न॥ व नून ख सि या न॥ ॥ य ति श्व क म्म उ (ध) ॥ ॥ नि शा के न द य नि श्व वि वि र्म य ॥ ॥  
जा प्पा रु शुक् १५॥ र्म म न् ६५॥ अ भि व ज य न ना ज॥ शु र ॥ ॥